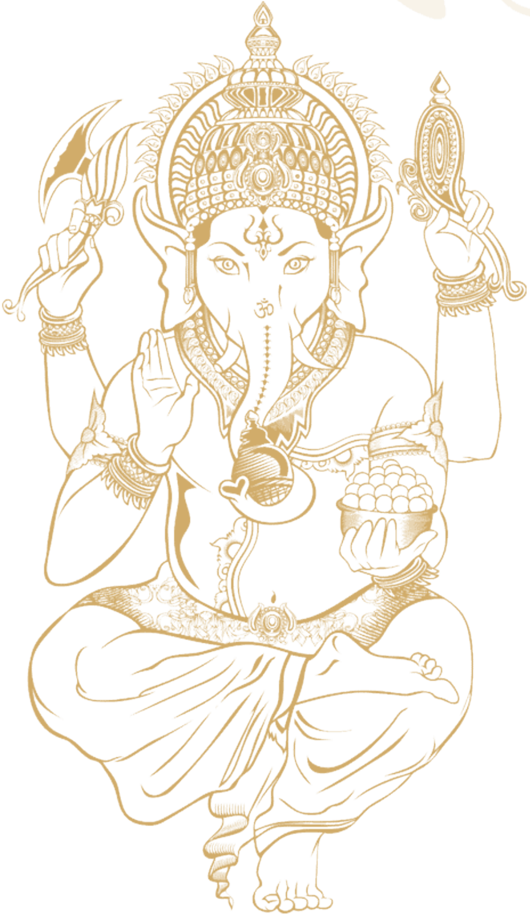

Manthan bilas didi

12 Aug 1999

03:15 AM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121136606

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/08/1999**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:15:00 घंटे**
इष्ट	53:13:00 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:48:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:17 घंटे
साम्पातिक काल	00:08:31 घंटे
सूर्योदय	05:57:47 घंटे
सूर्यास्त	19:04:32 घंटे
दिनमान	13:06:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	24:55:45 कर्क
लग्न के अंश	18:37:35 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:37:35	318:27:44	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	24:55:45	00:57:35	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	00:38:34	13:49:19	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
मंगल			तुला	23:14:31	00:32:58	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कर्क	06:35:26	00:38:55	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:51:08	00:02:35	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	08:05:50	00:28:43	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			मेष	23:02:33	00:01:54	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	19:07:03	00:00:21	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:07:03	00:00:21	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:48:11	00:02:23	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:41:13	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:54:12	00:00:14	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मीन	08:28:04	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:54

लग्न-चलित

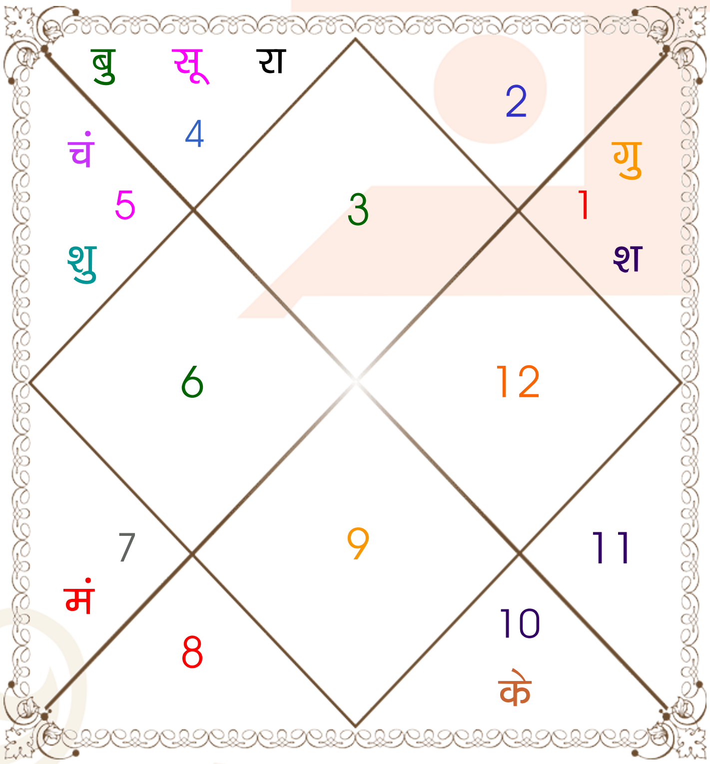

चन्द्र कुंडली

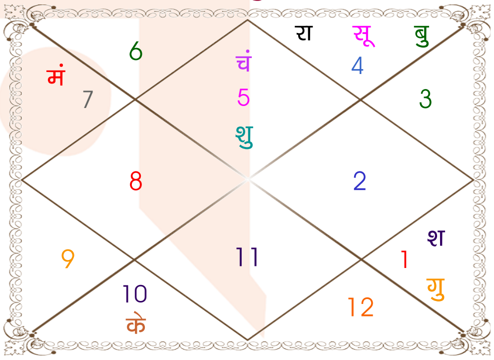

नवमांश कुंडली

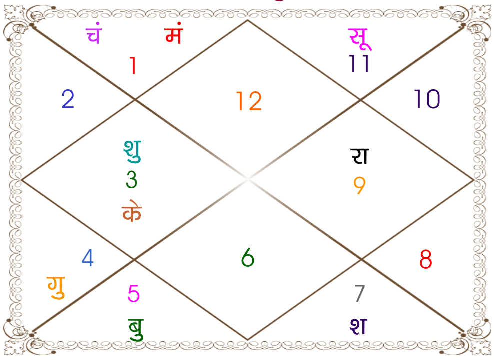

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 7 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
12/08/1999	**10/04/2006**	**10/04/2026**	**10/04/2032**	**10/04/2042**
10/04/2006	**10/04/2026**	**10/04/2032**	**10/04/2042**	**10/04/2049**
केतु 07/09/1999	शुक्र 10/08/2009	सूर्य 29/07/2026	चंद्र 08/02/2033	मंगल 06/09/2042
शुक्र 06/11/2000	सूर्य 10/08/2010	चंद्र 27/01/2027	मंगल 09/09/2033	राहु 25/09/2043
सूर्य 13/03/2001	चंद्र 10/04/2012	मंगल 04/06/2027	राहु 11/03/2035	गुरु 31/08/2044
चंद्र 13/10/2001	मंगल 10/06/2013	राहु 28/04/2028	गुरु 10/07/2036	शनि 10/10/2045
मंगल 11/03/2002	राहु 10/06/2016	गुरु 14/02/2029	शनि 08/02/2038	बुध 07/10/2046
राहु 29/03/2003	गुरु 09/02/2019	शनि 27/01/2030	बुध 11/07/2039	केतु 05/03/2047
गुरु 04/03/2004	शनि 10/04/2022	बुध 04/12/2030	केतु 09/02/2040	शुक्र 04/05/2048
शनि 13/04/2005	बुध 08/02/2025	केतु 10/04/2031	शुक्र 10/10/2041	सूर्य 09/09/2048
बुध 10/04/2006	केतु 10/04/2026	शुक्र 10/04/2032	सूर्य 10/04/2042	चंद्र 10/04/2049

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
10/04/2049	**10/04/2067**	**10/04/2083**	**11/04/2102**	**11/04/2119**
10/04/2067	**10/04/2083**	**11/04/2102**	**11/04/2119**	**00/00/0000**
राहु 22/12/2051	गुरु 29/05/2069	शनि 13/04/2086	बुध 07/09/2104	केतु 13/08/2119
गुरु 17/05/2054	शनि 10/12/2071	बुध 21/12/2088	केतु 04/09/2105	00/00/0000
शनि 23/03/2057	बुध 17/03/2074	केतु 30/01/2090	शुक्र 05/07/2108	00/00/0000
बुध 10/10/2059	केतु 21/02/2075	शुक्र 01/04/2093	सूर्य 11/05/2109	00/00/0000
केतु 28/10/2060	शुक्र 22/10/2077	सूर्य 14/03/2094	चंद्र 11/10/2110	00/00/0000
शुक्र 28/10/2063	सूर्य 10/08/2078	चंद्र 13/10/2095	मंगल 08/10/2111	00/00/0000
सूर्य 21/09/2064	चंद्र 10/12/2079	मंगल 21/11/2096	राहु 26/04/2114	00/00/0000
चंद्र 23/03/2066	मंगल 15/11/2080	राहु 28/09/2099	गुरु 01/08/2116	00/00/0000
मंगल 10/04/2067	राहु 10/04/2083	गुरु 11/04/2102	शनि 11/04/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 7 मा 30 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।